स्तर– II

भाग–1 बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के लिए पाठ्यक्रम	
A	विकास की अवधारणा एवं सीखने के साथ इसका संबंध, बच्चों के विकास के सिद्धांत, पर्यावरण एवं आनुवांशिकता का प्रभाव। समाजीकरण की प्रक्रियाः बच्चे एवं सामाजिक दुनिया (शिक्षक, अभिभावक, समकक्ष लोग)। पियाजे, कोहलबर्ग और वायगात्स्की : निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य। बाल केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा, बुद्धि, भाषा एवं चिन्तन, सामाजिक संरचना के रूप में लिंग, लिंग भूमिका, लिंग–विभेद एवं शैक्षिक व्यवहार, अधिगमकर्ताओं में वैयक्तिक भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय धर्म आदि की विविधता आधारित विभिन्नताओं को समझना। अधिगम का आकलन और अधिगम के लिए आकलन में भेद, विद्यालय आधारित आकलन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : परिप्रेक्ष्य एवं अभ्यास। अधिगमकर्ता के तत्परता स्तर के आकलन के लिए कक्षा में आलोचनात्मक चिन्तन और अधिगम बढ़ाने के लिए एवं अधिगमकर्ता की उपलब्धि के आकलन के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।
B	समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चो को समझना : वंचित सहित विविध पृष्ठभूमि वाले अधिगमकर्ताओं का सम्बोधन। सीखने में कठिनाई, क्षति आदि वाले बच्चों की आवश्यकताओं का सम्बोधन। प्रतिभावान, रचनात्मक, विशेष रूप से सक्षम अधिगमकर्ताओं को सम्बोधित करना। अधिगम एवं शिक्षाशास्त्र : बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, क्यों और कैसे बच्चे विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में "असफल" होते हैं। शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं, बच्चों की सीखने की अभिविधि, एक सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम, अधिगम का सामाजिक संदर्भ। एक समस्या–समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक। बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पनाएं, बच्चों की "त्रुटियों" को अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सोपान के रूप में समझना। संज्ञान एवं भावनाएं अभिप्रेरणा एवं अधिगम अधिगम में योगदान करने वाले कारक – व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय।

भाग–II भाषा का पाठ्यक्रम	
A	<u>भाषा–I (हिन्दी)</u> <u>भाषा बोध प्रश्नः</u> अपठित गद्यांश/पद्यांश– बोध, अनुमान, व्याकरण और शाब्दिक योग्यता पर आधारित प्रश्नों वाले दो लेखांश एक गद्य पर और एक पद्य पर आधारित (गद्यांश साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक या तार्किक हो सकता है) <u>भाषा विकास प्रश्नों का शिक्षा–शास्त्रः</u> सीखना और अधिग्रहण, भाषा शिक्षण के सिद्धांत, सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य और बच्चे इसे एक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग करते हैं, मौखिक और लिखित रूप में विचारों को संप्रेषित करने के लिए भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका पर आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य, एक विविध कक्षा में भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ; भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार, भाषा कौशल <u>भाषा बोध और दक्षता मूल्यांकनः बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना</u> शिक्षण– अधिगम सामग्रीः पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा के बहुभाषी संसाधन, उपचारात्मक शिक्षण
B	**Language – II (English)** **Language Comprehension Questions:** Two unseen prose passages (discursive or literary or narrative or scientific) with question on comprehension, grammar and verbal ability. **Pedagogy of Language Development:** Learning and acquisition, Principles of language Teaching, Role of listening and speaking; function of language and how children use it as a tool, Critical perspective on the role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form; Challenges of teaching language in a diverse classroom; language difficulties, errors anddisorders, Language Skills. **Evaluating language comprehension and proficiency:** speaking, listening, reading and writing. **Teaching -** learning materials: Textbook, multi-media materials, multilingual resource of the classroom, Remedial Teaching.

भाग–III सामान्य अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम	
A	हरियाणा से संबंधित इतिहास, समसामयिक मामले, साहित्य, भूगोल, नागरिक शास्त्र, पर्यावरण, संस्कृति, कला, परंपराएं एवं हरियाणा सरकार की कल्याणकारी योजनाएं।
B	सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कपूर्ण आधारः इसमें शाब्दिक और गैर–शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न शामिल होंगें। इस घटक में सादृश्य, समानताएं और अंतर, स्थानिक दृश्यता, स्थानिक अभिविन्यास, समस्या का समाधान, विश्लेषण, निर्णय, निर्णय लेने, दृश्य स्मृति, विभेदन, कथन, संबंध अवधारणाएँ, अंकगणितीय तर्क और चित्रात्मक वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या श्रृंखला, गैर–शाब्दिक श्रृंखला, कूटलेखन–कुटवाचन, कथन निष्कर्ष, न्यायबद्ध, तर्कपूर्ण आधार प्रश्न शामिल हो सकते हैं विषय हैः शब्दार्थगत सादृश्य, प्रतीकात्मक/संख्या सादृश्य, चित्रात्मक सादृश्य, शब्दार्थगत वर्गीकरण, प्रतीकात्मक/संख्या वर्गीकरण, चित्रात्मक वर्गीकरण, शब्दार्थगत श्रृंखला, संख्या श्रृंखला, चित्रात्मक श्रृंखला। समस्या का समाधान, शब्द निर्माण, कूटलेखन–कूटवाचन, संख्यात्मक संचालन। प्रतीकात्मक संचालन, रूझान, स्थानिक अभिविन्यास, स्थानिक दृश्यता, वेन आरेख, निष्कर्ष निकालना, छिद्रित छेद/डिजाईन नमूना–मोड़ना और खोलना, आकृति पैटर्न– मोड़ना और पूर्णता, अनुक्रमण, पता मिलान, दिनांक और शहर मिलान, केन्द्र कोड/ रोल नम्बर का वर्गीकरण, छोटे और बड़े अक्षर/संख्या कोडिंग, डिकोडिंग और वर्गीकरण, अंतर्निहित आंकड़े, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमता, सामाजिक बुद्धिमता।
C	संख्यात्मक अभिक्षमता: प्रश्नों को संख्याओं के उचित उपयोग की क्षमता और उम्मीदवार की संख्या भावना का परीक्षण करने के लिए डिजाईन किया जाएगा। परीक्षण का दायरा पूरी संख्याओं, दशमलव, अंशों और संख्याओं, प्रतिशत के बीच संबंधों की गणना होगी एवं अनुपात और समानुपात, वर्गमूल, औसत, ब्याज, लाभ और हानि, छूट, साझेदारी व्यवसाय, मिश्रण और आरोप, समय और दूरी, समय और कार्य, स्कूल बीजगणित आर प्राथमिक करणियों की बुनियादी बीजगणितीय पहचान, रैखिक समीकरणों के रेखांकन, त्रिभुज और इसके विभिन्न प्रकार के केन्द्र, त्रिभुजों की अनुरूपता और समानता, वृत्त और उसकी जीवा, स्पर्श रेखा, एक वृत की जीवाओं द्वारा उपनिर्मित कोण, दो या दो से अधिक वृत्तों के लिए सामान्य स्पर्श रेखाएं, त्रिभुज, चतुर्भुज, नियमित बहुभुज, वृत्त, दायें प्रिज्म, दाएं वृत्ताकार शंकु, दायं वृत्ताकार बेलन, गोलार्ध, आयताकार समानांतर पाईप, त्रिकोणीय या वर्ग आधार के साथ नियमित दाएं पिरामिड, त्रिकोणमीतिय अनुपात, डिग्री और रेडियन माप, मानक पहचान, पूरक कोण, ऊंचाई और दूरी, आयतचित्र, आवृत्ति बहुभुज, बार आरेख और पाई चार्ट आदि को सम्मिलित करेगा।

भाग–IV विषय विशेष पाठ्यक्रम

विज्ञान	
A	(क) सामग्री एवं समूह को क्रमबद्ध करना : हमारे आस–पास की वस्तुएं, पदार्थ के गुण : कठोरता, घुलनशील अथवा अघुलनशील, पारदर्शिता, वस्तु पानी में तैरती है या डूब जाती है, पदार्थों का पृथक्करण : पदार्थों का पृथक्करण, मिश्रण एवं उनके प्रकार, पृथक्करण की विधियां, निस्पंदन, ओसाना (थ्रैसिंग), वाष्पीकरण, अवसादन, निस्तारण, छानना, फटकना। अम्ल, क्षार एवं लवण : अम्ल एवं क्षार, हमारे चारों ओर के सूचक, उदासीनीकरण, दैनिक जीवन में उदासीनीकरण। भौतिक एवं रसायनिक परिवर्तन : भौतिक परिवर्तन, रसायनिक परिवर्तन, लोहे में जंग लगना, क्रिस्टलीकरण। कोयला एवं पेट्रोलियम : कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, कुछ प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। दहन एवं ज्वाला : दहन, हम आग को कैसे नियन्त्रित करते हैं? दहन के पकार, लौ, लौ की संरचना, ईंधन क्या है? ईंधन की दक्षता। हमारे आस–पास के पदार्थ : पदार्थ की भौतिक प्रकृति, पदार्थ के कणों की विशेषताएं, पदार्थ की अवस्थाएं, क्या पदार्थ अपनी अवस्था बदल सकता है? वाष्पीकरण। क्या हमारे आसपास के पदार्थ शुद्ध हैं? :– मिश्रण क्या है? घोल, मिश्रण के घटकों को अलग करना, भौतिक एवं रसायनिक परिवर्तन, शुद्ध पदार्थ के प्रकार। अणु एवं परमाणु : रसायनिक संयोजन के नियम, परमाणु, अणु, मोल की अवधारणा, आणविक द्रव्यमान, रसायनिक सूत्र। परमाणु की संरचना : पदार्थ में आवेशित कण, परमाणु की संरचना, विभिन्न कक्षा कक्षों में इलेक्ट्रोनों का वितरण, संयोजकता, परमाणु क्रमांक, परमाणु द्रव्यमान। रसायनिक समीकरण एवं अभिक्रियाएं : रसायनिक अभिक्रिया, रसायनिक समीकरण, रसायनिक अभिक्रियाओं के प्रकार, दैनिक जीवन में उपचयन (आक्सीकरण) अभिक्रियाओं के प्रभाव। धातु एवं अधातु : धातुओं एवं अधातुओं के भौतिक गुण, रसायनिक गुण, धातुओं की जल, वायु एवं अम्लों के साथ अभिक्रिया, धातुओं की प्रतिक्रियाशीलता का क्रम, धातु एवं अधातुओं की अभिक्रियाएं, आयनिक यौगिकों के गुण, धातुओं का निष्कर्षण, परिष्करण, संक्षारण एवं इसकी रोकथाम। कार्बन एवं इसके यौगिक : कार्बन में आबंध, सहसंयोजी आबंध, कार्बनिक यौगिकों के रसायनिक गुण, महत्वपूर्ण कार्बनिक यौगिक : इथेनोल, इथेनोइक अम्ल, साबुन एवं अपमार्जक। विषय सम्बन्धी शिक्षाविज्ञान।
B	जीवन की मौलिक ईकाई : कोशिका और इसके संरचनात्मक संगठन और कार्य, कोशिका विभाजन। जीव–जगत : पौधों और प्राणियों के रूप और कार्य। पादप एवं प्राणी ऊतक जीवों में विविधता : पौधों और प्राणियों का उनके लक्षणों के साथ वर्गीकरण। प्राणियों और पौधों के विभिन्न जैव प्रक्रम : पोषण, श्वसन, वहन, उत्सर्जन (मनुष्यों के विभिन्न तंत्रों सहित)। शरीर की गतिविधियाँ : प्राणियों में गतिविधियां, मानव शरीर और उसकी

	गतिविधियाँ, पौधों और प्राणियों में नियंत्रण और समन्वय। जीवों में प्रजनन : प्रजनन के तरीके (अलैंगिक और लैंगिक प्रजनन) प्रजनन स्वास्थ्य (किशोरावस्था और युवावस्था) आनुवंशिकता और विकास। रोग : प्रकार, कारण, वाहक, उपचार और रोकथाम। मौसम, जलवायु एवं विभिन्न जलवायु और आवास के लिए जीवों का अनुकूलन, पारिस्थितिकी तंत्र, प्रदूषण, जव–रासायनिक चक्र, ओजोन परत, पशुपालन, मृदा, जल, वन और वन्य जीवन, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, पौधों और प्राणियों का संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन और उनका प्रबंधन। खाद्य पदार्थः इसके संसाधन, घटक और कार्य, खाद्य संसाधनों में सुधार, फसल उत्पादन और उसका प्रबंधन, फसल की पैदावार में सुधार और प्रबंधन, फसल सुरक्षा प्रबंधन। सूक्ष्मजीव। विषय सम्बन्धी शिक्षा शास्त्र।
C	गति और मापन : गति के प्रकार और असमान गति, चाल, वेग और त्वरण दूरी–समय ग्राफ, वेग–समय ग्राफ, गति के समीकरण, एक समान वृत्तीय गति, दूरी और समय का मापन। बल और गति के नियम : बल के प्रकार, संतुलित और असंतुलित बल, गति का प्रथम नियम, गति का द्वितीय नियम, गति का तृतीय नियम, घर्षण, घर्षण को प्रभावित करने वाले कारक, घर्षण एक आवश्यक बुराई, पहिये घर्षण कम करते है, द्रव्य घर्षण। गुरूत्वाकर्षण : गुरूत्वाकर्षण का सार्वत्रिक नियम, गुरूत्वाकर्षण के सार्वत्रिक नियम का महत्व, मुक्त पतन, गुरूत्वीय त्वरण g के मान का परिकलन, पृथ्वी के गुरूत्वीय बल के प्रभाव में वस्तुओं की गति, द्रव्यमान, भार, किसी वस्तु का चंद्रमा पर भार, प्रणोद तथा दाब, वायुमंडलीय दाब, तरलों में दाब, उत्प्लावकता, पानी की सतह पर रखने पर वस्तुएं तैरती या डूबती क्यों है, आर्किमिडिज का सिद्धांत। कार्य, ऊर्जा और शक्ति : कार्य की वैज्ञानिक परिकल्पना, एक नियत बल द्वारा किया गया कार्य, ऊर्जा के रूप, गतिज ऊर्जा, स्थितिज ऊर्जा, ऊर्जा सरंक्षण का नियम, कार्य करने की दर। ध्वनि : ध्वनि का उत्पादन, ध्वनि का संचरण, ध्वनि तरंग के अभिलक्षण, विभिन्न माध्यमों में ध्वनि की चाल, प्रतिध्वनि अनुरणन, ध्वनि के बहुल परावर्तन के उपयोग, श्रव्यता का परिसर श्रव्य और अश्रव्य ध्वनियां, शोर और संगीत, ध्वनि प्रदूषण, अल्ट्रासाउंड का अनुप्रयोग। प्रकाश : पारदर्शी, अपारदर्शी और पारभासी वस्तु, पिनहोल कैमरा, सूरज की रोशनी सफेद या रंगीन, ब्रेल प्रणाली क्या है। प्रकाश का परावर्तन, गोलीय दर्पणों द्वारा बने प्रतिबिबों का निरूपण, अवतल दर्पण द्वारा प्रतिबिंब बनना, उत्तल दर्पण द्वारा प्रतिबिंब बनना, दर्पण सूत्र तथा आवर्धन, प्रकाश का अपवर्तन, कांच के आयताकार स्लैब से अपवर्तन, अपवर्तनांक, गोलीय लैस द्वारा अपवर्तन, किरण आरेखों के उपयोग द्वारा लेंसो से प्रतिबिंब बनना, गोलीय लेंसो के लिए चिन्ह परिपाटी लेंस सूत्र तथा आवर्धन, लैस की क्षमता

	मानव नेत्र, समजन क्षमता, दृष्टि दोष तथा उनका संशोधन, निकट दृष्टि दोष, दीर्घ–दृष्टि दोष, जरा–दूरदृष्टिता, प्रिज्म में प्रकाश का अपवर्तन, कांच के प्रिज्म द्वारा श्वेत प्रकाश का विक्षेपण, वायुमंडलीय अपवर्तन, तारों का टिमटिमाना, अग्रिम सूर्योदय तथा विलबित सूर्यास्त, प्रकाश का प्रकीर्णन, टिडलं प्रभाव, स्वच्छ आकाश का रंग नोला क्यो होता है। विधुत और परिपथ : विधुत–सैल, विधुत–परिपथ, वैधुत–स्विच, विधुतधारा, विधत–विभव, ओम का नियम, वह कारक जिन पर एक चालक का प्रतिरोध निर्भर करता है, प्रतिरोध का संयोजनः श्रेणीक्रम और समांतरक्रम, विशिष्ट प्रतिरोध, विधुतधारा का तापीय प्रभाव, विधुत शक्ति, विधुत धारा के रासायनिक प्रभाव, विधुत प्लेट। विधुत धारा के चुंबकीय प्रभाव : चुंबकीय क्षेत्र ओर क्षेत्र रेखाए, किसी विधुत धारावाही चालक के कारण चुंबकीय क्षेत्र, सीधे चालक से विधुत धारा प्रवाहित होने के कारण चुंबकीय क्षेत्र, दक्षिण हस्त अगष्ठ नियम, फ्लेमिग दांया हस्त नियम, फ्लेमिग बाया हस्त नियम, विधुत धारावाही वृत्ताकार पाश के कारण चुंबकीय क्षेत्र, परिनलिका, चुंबकीय क्षेत्र में किसी विधुत धारावाही चालक पर बल, घरेलू विधुत परिपथ, विधुत घंटी, विधुत चुबंक, मोटर, ए.सी. जनरेटर। विषय संबंधित शिक्षाशास्त्र।

	शारीरिक शिक्षा
A	<u>शारीरिक शिक्षा</u> : अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य तथा महत्त्व भारत में शारीरिक शिक्षा का इतिहास : आज़ादी से पहले और आज़ादी के बाद के युग में। <u>शारीरिक शिक्षा के जैविक आधार</u> :– वृद्धि और विकास, अनुवांशिकता और पर्यावरण। क्रैशमर और शैल्डन के अनुसार शरीर के प्रकार और व्यक्तित्व का वर्गीकरण / व्यक्तित्व की विभाएँ/प्राचीन यूनान, रोम, जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन तथा रूस में शारीरिक शिक्षा। स्वास्थ्य और स्वच्छता/संतुलित आहार और पोषण। स्वास्थ्य संबंधी पुष्टि या फिटनेस। मोटापा और उसका (सुधारात्मक) प्रबंधन। प्राथमिक चिकित्सा। <u>संक्रामक रोग</u> : उनके कारण, लक्षण तथा रोकथाम। स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और व्यक्तिगत स्वच्छता। खेल–चोटें तथा उनकी रोकथाम। मुद्रा संबंधी विकृतियां उनके कारण तथा रोकथाम। खेल, चिकित्सा /बुनियादी /फिजियोथेरेपी और मरम्मत/वापसी/उद्धार/शारीरिक पुष्टि और सुयोग्यता। <u>शरीर रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान</u> :– इनका अर्थ व परिभाषा / श्वसन तंत्र, रक्त संचरण प्रणाली, अस्थिपिंजर, मांसपेशी संस्थान, अन्तःस्रावी प्रणाली, पाचन–तंत्र नाड़ी–तंत्र (न्यूरा ट्रांसमिशन) तथा उत्सर्जन प्रणाली : सभी की शारीरिक–रचना, शारीरिक क्रिया विज्ञान सभी अंगों की रचना तथा कार्य।
B	आर्गोजेनिक सहायक, डोपिंग तथा एंटी डोपिंग/खेलों में प्रदर्शन को प्रभावित करने

	वाले कारक/(काइन्सियोलॉजी) मानव गतिज विज्ञान और (बायो मैकेनिक्स) जैव यांत्रिकी : इनका अर्थ व परिभाषा/ जोड़ और उनमें गति/लीवर/ मोटर कौशल मांसपेशियों की गति और उनकी क्रियाएं या मोटर गति का मांसपेशीयाँ विश्लेषण/ गति के नियम/ संतुलन के सिद्धान्त/ बल/ विभिन्न खेल गतिविधियों का मांसपेशीय विश्लेषण/ मौलिक गतिविधियों का यांत्रिक विश्लेषण/ दौड़ने, कूदने, फेंकने, खींचने और धक्का देने की गतिविधियों का मानव गतिज–विज्ञान तथा जैव–यांत्रिकी आधार पर अध्ययन। खेलों में मनोविज्ञान और समाज–शास्त्र :– अथ व परिभाषाएँ खेलों में मनोविज्ञान के लक्ष्य और उद्देश्य। अधिगम :– अधिगम की प्रक्रिया, अधिगम के सिद्धान्त, अधिगम के नियम, स्थानान्तरक अधिगम। प्रेरणा :– आंतरिक और बाह्य–प्रेरणा/ खेल–प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक कारण। नेतृत्व :– अर्थ, परिभाषा, नेतृत्व के प्रकार और नेतृत्व के गुण। मनोरंजन :– इसके नियम व सिद्धान्त, विभिन्न आयु समूहों/ श्रेणियों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम। योग शिक्षा :– योग का इतिहास, अर्थ, परिभाषा, लक्ष्य और उद्देश्य। अष्टांग के सभी अंग, सूर्य–नमस्कार और इसके लाभ/ प्राणायाम इसके प्रकार तथा लाभ। शुद्धि क्रियाएं :– नेती, धोती, बस्ती/ योग का दैनिक जीवन में महत्व। योग :– जीवन–शैली रोगों के निवारक के रूप में।
C	परीक्षण, मापन और मूल्यांकन :– इनकी अवधारणा टक तथा फील्ड ईवेन्ट्स में मापन प्रमुख खेल व छोटे खेल/ ट्रैक, और फील्ड ईवेंट्स तथा सभी खेलों के नियम तथा विनिमय (आचरण) / क्रीड़ा व खेल शब्दावली, खेल–सामयिकी, खेल संघ, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय खेल (ओलंपिक आंदोलन) खेल कप और ट्रॉफियां स्टेडियम, टूर्नामेंट और उनके फिक्सचर / खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट। खेल प्रबंधन :– प्रबंधन की अवधारणा और सिद्धान्त / खेल निकायों का गठन तथा उनका कार्य/ इन्ट्राम्यूरल और एक्स्ट्रॉम्यूरल / खेल के मैदान/ कोर्ट/ बुनियादी ढांचे, उपकरण, वित्त, तथा स्टाफकर्मी प्रबंधन/ खेलों में योजना/ खेलों में ऑफिसिएटिंग / अंपायरिंग। खेल प्रशिक्षण :– इसकी अवधारणा व सिद्धांत / खेलों में अवधिकरण, विभिन्न खेल प्रशिक्षण विधियां, विभिन्न मोटर–गुणों के विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम / खेलों के लिए तकनीकी व सामरिक तैयारियां व अल्पकालिक और दीर्घकालिक

	प्रशिक्षण कार्यक्रम / मीडिया और खेल–खेलों और शारीरिक शिक्षा में कंप्यूटर अनुप्रयोग, राष्ट्रीय खेल–पुरस्कार। विषय संबंधित शिक्षाशास्त्र।

English	
A	**Reading Comprehension:** One/two unseen passage (prose/poem) to assess the candidate's ability to comprehend, analyse and interpret text. **Language:** (Pedagogy of English)- Aims and objectives of teaching English at secondary level, Methods and approaches of teaching English language, Teaching aids, Use of ICT in classroom.
B	**Grammar and Usage-** This will include questions based on verb patterns, tenses, analysis of sentences, transformation of sentences, voices, narration, articles, determiners, auxiliaries(Primary & Modal) idiomatic expressions, phrasal verbs and part of speech in detail(Noun, pronoun, verb, adjective, adverb, conjunction, interjection, preposition). Basic phonetics- Word formation, vowel and consonant sounds, simple transcription.
C	**Literature**: Text based questions must be selected from the prescribed syllabus of the Board of School Education Haryana for classes VI to X, Difficulty level of the questions may be raised to UG Level.

Hindi	
A)	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहासः– भाषा के विविध रूप एवं सवैंधानिक स्थिति, हिन्दी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि का इतिहास, वैज्ञानिकता एवं विशेषताएं, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नामकरण एवं विविध प्रवृतियाँ।
B)	माध्यमिक स्तरीय एवं पाठ्यक्रम में संकलित रचनाओं की जानकारीः–बसंत भाग–1,2 एवं 3 में संकलित गद्य एवं पद्य रचनाओं पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में संकलित कविताओं के भाव, भाषा एवं शैली पक्ष पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में संकलित गद्य रचनाओं और उनके विविध पक्षों के ज्ञान पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में आए पर्यायवाची, विलोम एवं अनेकार्थक शब्दों के साथ–साथ वाक्यांश के लिए एक शब्द से संबंधित प्रश्न।

C)	काव्यशास्त्र एवं व्याकरणः– काव्य गुण एवं काव्य दोष पर आधारित प्रश्न, अलंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, वक्रोक्ति, श्लेष, अतिशयोक्ति, असंगति एवं द्रष्टांत पर आधारित प्रश्न, छंद – दोहा, रोला , हरिगीतिका, मालिनी, कवित्त, सवैया, वंशस्थ पर आधारित प्रश्न, रस एवं रस के अवयव पर आधारित प्रश्न, वर्ण विचार – स्वर एवं व्यंजन के प्रकार, प्रयत्न एवं स्थान की दृष्टि से, शब्द विचार– तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशज पर आधारित प्रश्न, संधि , समास, उपसर्ग, प्रत्यय पर आधारित प्रश्न, विकारी शब्द – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अविकारी शब्द – क्रिया विशेषण, संबंधसूचक, समुच्चय बोधक एवं विस्मयादिबोधक, वाक्य एवं पद विचार पर आधारित शुद्ध वाक्यों की पहचान, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, शुद्धाशुद्ध शब्द–वर्तनी पर आधारित शुद्ध–अशुद्ध।

HTET SYLLABUS (2023) FOR LEVEL-2 (TGT)

Subject Specific: Urdu   Questions: 60 MCQs   Marks: 60

نوٹ: اردو زبان کے نصاب کو HTET Level-2(TGT) کے لیے تین حصوں میں تقسیم کیا گیا ہے۔ پہلا حصہ شاعری کا ہے، دوسرا حصہ نثر کا اور تیسرا حصہ قواعد پر مبنی ہے۔

حصہ اول

موضوع: شاعری

اسباق	شمار نمبر
نظم کی تعریف اور اس کی اہم اقسام کا مطالعہ، غزل کی تعریف اور اس کا فن، گیت کی تعریف اور اس کا فن، دوہے کی تعریف اور اس کا فن، نصاب میں شامل شعرا کی حیات، خصوصیات اور تخلیقات کا مطالعہ	☆
ہمارا وطن (نظم) چکبست	1.
درختوں سے محبت (نظم) وحید اختر	2.
بچے کی دعا (نظم) علامہ اقبال	3.
ہریانہ کا کسان (نظم) ادارہ	4.
ہر انسان ہمارا ہے (نظم) مظفر حنفی	5.
محنت (نظم) نظیر لدھیانوی	5.
قلم (نظم) ماخوذ	7.
نیل گگن میں تارے (نظم) شریف احمد شریف	8.
اردو زباں ہماری (نظم) ماخوذ	9.
مٹی کا دیا (نظم) الطاف حسین حالی	10.
عورتوں کا درجہ (نظم) الطاف حسین حالی	11
صبر کا پھل (نظم) مظفر حنفی	12.
جگنو (نظم) سکندر علی وجد	13.
ایک لڑکی کا گیت (نظم) اختر شیرانی	14
ابر بہار (نظم) تلوک چند محروم	15
البیلا ہریانہ (نظم) بیکل اتساہی	16.
ہندو مسلمان (نظم) تلوک چند محروم	17.

18.	ایک دیہاتی لڑکی کا گیت (گیت) اختر شیرانی
19.	پیارا وطن (نظم) سورج نرائن مہر
20.	ایک پودا اور گھاس (نظم) اسمٰعیل میرٹھی
21.	دوہے (کبیر)
22.	بہار کے دن (نظم) افسر میرٹھی
23.	حمد (نظم) اسمٰعیل میرٹھی
24.	نیکی اور بدی (نظم) نظیر اکبرآبادی
25.	ہستی اپنی حباب کی سی ہے (غزل) میر تقی میر
26.	کوئی امید بر نہیں آتی (غزل) مرزا غالب
27.	پہاڑ اور گلہری (نظم) اقبال
28.	اے شریف انسانو (نظم) ساحر لدھیانوی
30.	قدم بڑھاؤ دوستو (نظم) اختر نواز

حصہ دوم

موضوعِ نثر

شمار نمبر	اسباق
☆	اردو ادب کی تاریخ، اردو زبان کی نشو و نما سے متعلق اہم نظریات، مضمون کی تعریف اور اس کے اہم اجزا، افسانہ، مختصر افسانہ، کہانی کی تعریف، فن اور اجزائے ترکیبی، مکالمہ کی تعریف اور اس کا فن، ڈراما کی تعریف، فن اور اجزائے ترکیبی، انشائیہ کی تعریف اور اس کا فن، آپ بیتی، خود نوشت کی تعریف اور اس کا فن۔ نصاب میں شامل نثر نگاروں کی حیات، شخصیات اور تخلیقات کا مطالعہ۔
1.	پتنگ (کہانی) ادارہ
2.	ہریانہ کی گرام پنچایت (مضمون) ادارہ
3.	حالی پانی پتی (مضمون) ادارہ
4.	اپنا کام خود کرو (کہانی) ادارہ
5.	کرکٹ (مضمون) ادارہ
6.	سادگی (شخصیت) ادارہ
7.	کوتاہ (مضمون) ادارہ
8.	چاند بی بی (شخصیت) ادارہ

9.	سونے کا چھاپا (کہانی) ادارہ
10.	بیلون سے ہوائی جہاز تک (مضمون) ادارہ
11.	سورج پرست (کہانی) ادارہ
12.	پرندوں کا شیدائی (شخصیت) ادارہ
13.	چڑیا گھر کی سیر (ماحولیات) ادارہ
14.	ہریانہ کی قومی وراثت (مضمون) ادارہ
15.	پگڑی ہریانہ کی شان (مضمون) ادارہ
16.	کھدر کا کفن (کہانی) خواجہ احمد عباس
17.	لوک گیت (مضمون) ادارہ
18.	ایم۔ایس۔سبالکشمی (مضمون) ادارہ
19.	گھڑو (مضمون) ادارہ
20.	وہ صبح کبھی تو آئے گی (آپ بیتی) سلمیٰ
21.	مرغ نامہ (انشائیہ) خواجہ حسن نظامی
22.	سید مشتاق علی (مضمون) ادارہ
23.	کھیت (مضمون) ادارہ
24.	پہلی جنگ آزادی کا سپہ سالار (مضمون) ادارہ
25.	چاند بیگم (کہانی) حمیدہ فرحت
26.	امن سینا (مضمون) ادارہ
27.	آؤ پیڑ لگائیں (ماحول) ادارہ
28.	سیاحت کا ساتھی ہاتھی (مضمون) ادارہ
29.	آزاد ہند فوج کا جانباز سپاہی (مضمون) ادارہ
30.	صالحہ عابد حسین (شخصیت) ادارہ
31.	بہادر شاہ کا ہاتھی (مضمون) میر باقر علی دہلوی
32.	نادان دوست (کہانی) منشی پریم چند
33.	چڑیا گھر کی سیر (مضمون) ادارہ
34.	احسان کا بدلہ احسان (کہانی) ڈاکٹر ذاکر حسین
35.	سندباد جہازی کا ایک سفر (عربی کہانی) ترجمہ

36.	پہاڑوں کی کہانی (مضمون) فرقت کاکوروی
37.	تنکا تھوڑی ہوا سے اڑ جاتا ہے (کہانی) ترجمہ محمد مجیب
38.	مصنوعی سیارے (مضمون) ادارہ
39.	ملا نصر الدین (مضمون) احمد جمال پاشا
40.	وقت (مضمون) ڈپٹی نذیر احمد
41.	غیر درسی اقتباس (Unseen Passage)
42.	بے تکلفی (انشائیہ) کنہیا لال کپور
43.	زبانوں کا گھر ہندوستان (مضمون) سید احتشام حسین
44.	خدا کے نام خط (ترجمہ انگریزی لوک کہانی) گریگوریو لوپیز فوئنتے
45.	ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر (مضمون) ادارہ
46.	آدمی کی کہانی (مضمون) محمد مجیب
47.	انٹرنیٹ (مضمون) ادارہ
48.	نئی روشنی (مکالمہ) ماخوذ
49.	رضیہ سلطان (مضمون) ماخوذ
50.	کاٹھ کا گھوڑا (کہانی) کرتار سنگھ
51.	کہر آس (ڈراما) حبیب تنویر

حصہ سوم

موضوع: قواعد

	حروف تہجی، مرکب اسم، فعل، حرف، ضمیر، اسم، ضمیر، صفت، فعل وغیرہ مثالوں سے سمجھانا۔ مذکر - مونث، واحد - جمع اور متضاد۔ علم بیان اور علم بدیع کی اہم اقسام۔ تشبیہ، استعارہ، کنایہ، مجاز مرسل، صنعت تضاد، حسن تعلیل، تجاہل عارفانہ، تلمیح، مبالغہ اور ایہام۔

نوٹ: مندرجہ بالا نصاب جماعت 6 سے 10 ویں تک کی این سی ای آر ٹی (NCERT) کی کتاب "جان پہچان" (حصہ ایک سے پانچ) سے ماخوذ ہے۔
سوالات انہیں اسباق پر مبنی ہوں گے۔

विषयः – संस्कृतम्   लेवल – 2

प्रथमो भागः

- एषु पाठ्यपुस्तकेषु नियोजितान् पाठ्यबिन्दून् आधारीकृत्य पठित-अपठित-गद्यांशाधारिताः बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः प्रष्टव्याः।

1. रुचिरा प्रथमो भागः   2. रुचिरा द्वितीयो भागः   3. रुचिरा तृतीयो भागः
4. शेमुषी प्रथमो भागः   5. शेमुषी द्वितीयो भागः

१) एतानि सूत्राणि आधारीकृत्य संज्ञा प्रकरणतः सामान्यप्रश्नाः ।

इत्संज्ञा, प्रत्याहारसंज्ञा, उदात्त, अनुदात्त, स्वरित, संयोगसंज्ञा, सवर्णसंज्ञा, उच्चारणस्थानानि, पदसंज्ञा, प्रयत्नानि।

२) निम्नलिखित-सन्धिसूत्रानुसारं सन्धेः सन्धिविच्छेदस्य च सूत्राणि -

इको यणचि, अकः सवर्णे दीर्घः, आद्गुणः, वृद्धिरेचि, लोपः शाकल्यस्य, स्तोः श्चुना श्चुः, ष्टुना ष्टुः, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, झयो होऽन्यतरस्याम्, उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य, झरो झरि सवर्णे, खे च, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अचोऽन्त्यादि टि, एत्येधत्यूठ्सु, उपसर्गादृति धातौ, एङि पररूपम्, ओमाङोश्च, एङः पदान्तादति, ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्, विसर्जनीयस्य सः, ससजुषो रुः, अतो रोरप्लुतादप्लुते, हशि च, भो-भगो-अघो-अपूर्वस्य योऽसि, रोऽसुपि, रो रि, ढ्लोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः।

३) समासाः - मध्यसिद्धान्तकौमुदी - अनुसारं सूत्रसहितम् -

केवलसमासः, अव्ययीभावसमासः, तत्पुरुषः, कर्मधारयः, द्विगुः, द्वन्द्वः, बहुव्रीहिः – एतेषां सामान्यपरिचयः, पदानां समासः, समासविग्रहश्चेति।

४) एतेषां प्रत्ययानां सामान्याभिज्ञानम् - पूर्वकृदन्त, उत्तरकृदन्त, तद्धित, स्त्रीलिङ्गं च (मध्यसिद्धान्तकौमुदी-अनुसारं सूत्रसहितं प्रकृति-प्रत्यय-आधारिताः प्रश्नाः) :-

क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, उ, यत्, तव्यत्, तव्य, अनीयर्, केलिमर्, क्यप्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच्, ल्यु, णिनि, क, ष्वुन्, वुन्, अण्, टक्, ट, खश्, खच्, ड, क्त्वा, ल्यप्, क्विप्, तुमुन्, घञ्, क्तिन्, क्वसु, घाकन्, ग्स्नु, क्नु, इत्र, ष्ट्रन्, नङ्, नन्, अच्, अप्, कि, अङ्, युच्, णमुल्, मतुप्, तरप्, तमप्, इष्ठन्, ष्य, ठक्, ठन्, ठञ्, ट्यण्, तल्, य, ड्वलच्, वलच्, छ, त्यप्, म, एण्य, मयट्, ष्लञ्, डट्, तीय, उरच्, र, ग्मिनि, तिकन्, च्वि, डाच्, साति, विनि, टाप्, चाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्, ऊङ्, ति।

द्वितीयो भागः

१) निम्नलिखिताव्ययपदसम्बन्धिसामान्यप्रश्नाः (सूत्रसहितम्) :-

अत्र, अधः, इतः, इत्थम्, इदानीम्, शनैः, उच्चैः, नीचैः, नमः, कथम्, कदापि, यद्यपि, यथा, तथा, खलु, धिक्, प्रातः, किम्, किमर्थम्, यतः, कुतः।

२) सामान्यप्रश्नाः :-

अ) प्रादयोपसर्गसम्बन्धिसामान्यप्रश्नाः।

उपसर्गाः क्रियायोगे।

ब) विशेष्यः विशेषणञ्च।

स) विलोमपदं पर्यायपदञ्च।

४) कारकप्रकरणम् - सिद्धान्तकौमुदीं-अनुसारं (सूत्रसहितम्) सामान्यपरिचयात्मकाः प्रश्नाः वाक्यप्रयोगाश्च।

तृतीयो भागः

१) निम्नलिखितानां छन्दसामलङ्काराणां च सामान्यपरिचयः :-

* छन्दांसि –

अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थम्, द्रुतविलम्बितम्, वसन्ततिलका, मालिनी, शार्दूलविक्रीडितम्, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता।

* अलङ्काराः –

अनुप्रासः, यमकम्, श्लेषः, उपमा, अर्थान्तरन्यासः, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, निदर्शना।

२) निम्नलिखितानां महाकविनामेव व्यक्तित्वस्य कृतित्वस्य च सम्बन्धिसामान्यप्रश्नाः :-

क) महाकवयः :- कालिदासः, भारविः, श्रीहर्षः, माघः, वाल्मीकिः, वेदव्यासः।

ख) गद्यकाव्यकवयः :- दण्डी, सुबन्धुः, बाणभट्टः, अम्बिकदत्तव्यासः, शुद्रकः।

ग) नीतिकवयः :- भर्तृहरिः, पं. विष्णुशर्मा, नारायणपण्डितः।

घ) काव्यशास्त्रकाराः :- मम्मटः, भामहः, आनन्दवर्धनः, विश्वनाथः, भरतमुनिः।

ङ) आधुनिकसंस्कृतकवयः :- देवर्षिः कलानाथशास्त्री, भट्ट मथुरानाथशास्त्री, पं. पद्मशास्त्री, डॉ. प्रभाकरशास्त्री।

च) षड्वेदाङ्गानि :- शिक्षा, कल्पः, व्याकरणम्, ज्योतिषः, छन्दः, निरुक्तम् (एतेषां सामान्यपरिचयः)।

३) उपनिषदां वेदानां च सामान्यपरिचयः।

HTET LEVEL- 3 **MM : 60**

SUBJECT PUNJABI

Part -1

ਭਾਗ ਪਹਿਲਾ :- ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਸੰਕਲਿਤ ਰਚਨਾਵਾਂ : ਜਮਾਤ ਛੇਵੀਂ, ਸਤਵੀਂ ਅਤੇ ਅੱਠਵੀਂ

<u>ਪਹਿਲਾ ਕਦਮ</u>, <u>ਦੂਜਾ</u> ਪੜਾਅ , ਅਤੇ ਉਡਾਣ ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਦਰਜ ਬਾਲਗੀਤ/ਕਵਿਤਾਵਾਂ, ਬਾਲ ਕਹਾਣੀਆਂ / ਕਹਾਣੀਆਂ, ਇਕਾਂਗੀ/ ਨਾਟਕ , ਜੀਵਨੀਆਂ ਅਤੇ ਲੇਖਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ –ਵਸਤੂ , ਰੂਪਕ ਪੱਖ ,ਉਦੇਸ਼, ਬਾਲ ਮਨ ਉੱਤੇ ਪੈਂਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਆਦਿ ਬਾਰੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਭਿੰਨ–ਭਿੰਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੋਂ ਉਭਰਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ।

Part -2

ਭਾਗ ਦੂਜਾ :- ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਸੰਕਲਿਤ ਰਚਨਾਵਾਂ :- ਜਮਾਤ ਨੌਵੀਂ ਅਤੇ ਦਸਵੀਂ

ਸਾਹਿਤਕ ਕਿਰਨਾਂ -1 ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਕਿਰਨਾਂ -2 ਵਿਚ ਦਰਜ ਕਵਿਤਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ – ਵਸਤੂ, ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ, ਕਾਵਿ ਕਲਪਨਾ, ਕਾਵਿ ਗੁਣ, ਕਾਵਿ ਸ਼ੈਲੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ /ਵਾਰਤਕ ਰਚਨਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ – ਵਸਤੂ , ਵਿਚਾਰ -ਵਿਚਾਰ , ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ, ਰੌਚਕ ਸ਼ੈਲੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

ਸਾਹਿਤਕ ਰੰਗ -1 ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਰੰਗ -2 ਵਿਚ ਦਰਜ ਕਹਾਣੀਆਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ -ਵਸਤੂ, ਕਹਾਣੀ ਵਿਚਲੀ ਸੰਵੇਦਨਾ, ਉਦੇਸ਼, ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਿੱਖਿਆ, ਭਾਸ਼ਾ ਸ਼ੈਲੀ, ਪਾਠਕ/ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਮਨ ਉੱਤੇ ਪਏ ਪ੍ਰਭਾਵ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕਾਂਗੀਆਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ ਵਸਤੂ, ਪਾਤਰ ਚਿਤਰਣ, ਉਦੇਸ਼, ਨਾਟ ਸ਼ੈਲੀ, ਰੰਗ ਮੰਚ,ਅਜੋਕੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਸਬੰਧਿਤ ਵਿਸ਼ੇ ਦੀ ਸਾਰਥਕਤਾ/ ਪ੍ਰਸੰਗਿਕਤਾ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਭਿੰਨ- ਭਿੰਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੋਂ ਉਭਰਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੀਵਨੀਆਂ ਵਿਚ ਜੀਵਨੀ ਨਾਇਕ ਦੇ ਨਿੱਜੀ ਜੀਵਨ,ਉਸ ਦੇ ਜੀਵਨ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਔਕੜਾਂ, ਉਸ ਦੇ ਸੰਘਰਸ਼,ਪ੍ਰਾਪਤੀਆਂ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਸੇਧ /ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਆਦਿ ਸਬੰਧੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

Part -3

ਭਾਗ ਤੀਜਾ :- ਵਿਆਕਰਣ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ :-

*ਅੱਖਰ ਬੋਧ (ਵਰਣ, ਲਗ –ਮਾਤਰਾ, ਲਗਾਖਰ)

* ਸ਼ਬਦ ਬੋਧ (ਨਾਂਵ, ਪੜਨਾਂਵ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ, ਕਿਰਿਆ, ਕਿਰਿਆ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ, ਸੰਬੰਧਕ, ਯੋਜਕ, ਲਿੰਗ ਬਦਲੋ,

ਵਚਨ ਬਦਲੋ,ਕਾਰਕ, ਕਾਲ, ਪਦ- ਵੰਡ)

*ਸ਼ਬਦ ਰਚਨਾ (ਅਗੇਤਰ, ਪਿਛੇਤਰ, ਸਮਾਸੀ ਸ਼ਬਦ)

* ਵਾਕ – ਬੋਧ (ਵਾਕ – ਰਚਨਾ, ਵਾਕ – ਵੰਡ,ਵਾਕ -ਵਟਾਂਦਰਾ, ਵਿਸ਼ਰਾਮ ਚਿੰਨ੍ਹ)

* ਵਿਰੋਧੀ ਸ਼ਬਦ ,ਸਮਾਨਾਰਥਕ ਸ਼ਬਦ, ਬਹੁ ਅਰਥਕ ਸ਼ਬਦ ।

* ਮੁਹਾਵਰੇ ਅਤੇ ਅਖਾਣ ।

*ਅਣ ਡਿੱਠਾ ਪੈਰਾ (ਇਕ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚੋਂ, ਇਕ ਵਾਰਤਕ ਵਿਚੋਂ)

*ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਗੁਰਮੁਖੀ ਲਿੱਪੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ।

*ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ।

* ਵਿਆਕਰਣ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ |(ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਤੇ ਸਹਾਇਕ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚੋਂ]

ललित कला	
A	कला का परिचय; दृश्य कला के मूलतत्व, आधार, कला तथा रचना के सिद्धान्त, भारतीय कला के षडांग, कला का जीवन में महत्व।
B	कला के पारम्परिक तथा आधुनिक तकनीक, कला की प्रक्रियाएँ (चित्रकला, मूर्तिकला, applied art (प्रयुक्त कला)) परिप्रेक्ष्य, भारतीय लोककला।
C	भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तथा इसका विकास, भारतीय कला का इतिहास, प्रागौतिहासिक काल से समकालीन काल तक applied art (प्रयुक्त कला), वास्तुकला तथा ग्राफिक समेत सबका विकास। विषय से सम्बन्धित शिक्षाशास्त्र ।

सामाजिक अध्ययन	
A	सामान्य भूगोलः– भूगोल एक सामाजिक अध्ययन के रूप में, सौर मण्डल, पृथ्वी की गतियां, ग्लोब, अंक्षाश और देशान्तर, पृथ्वी के प्रमुख मण्डल, पृथ्वी का आन्तरिक भाग–परतें और चट्टाने, हमारी पृथ्वी–पर्वत, पठार, मैदान, ज्वालामुखी और भूकम्प, स्थलरूपो का विकास– विभिन्न तत्व और प्रक्रियाएँ, वायुमण्डल–संघटन, संरचना, वायुदाब, पवनें, वर्षा तथा जलवायु प्रदेश, जलमण्डल और इसकी उपयोगिता, ज्वार–भाटा, समुद्री धाराएँ, जल, वायुमण्डल–अवधारणा, पारिस्थितिकी तंत्र, प्रदूषण, आपदाएँ और संकट, मानव पर्यावारण अन्तसंबंध, संसाधन–भूमि, मिट्टी, जल, प्राकृतिक वनस्पति, वन्यजीव संसाधन, कृषि–प्रकार और विधियां, प्रमुख फसलें और उनका विकास, उद्योग–वर्गीकरण और वितरण मानव संसाधन, मानचित्र और उसके प्रकार भारत का भूगोल– भारत–आकार और अवस्थिति, भू–आकृतिक और भौतिक संरचना, जलनिकास, जलवायु और मानसून, प्राकृतिक वनस्पति और जीव जन्तु, जल संसाधन, कृषि–प्रमुख फसलें, उनका वितरण और संबंधित समस्याएं, खनिज और ऊर्जा संसाधन, प्रमुख विनिर्माण उद्योग–वर्गीकरण और वितरण, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा। विषय से संबंधित शिक्षा शास्त्र
B	<u>राजनीतिक सिद्धान्त</u> :– प्रकृति, दायरा और महत्व, राज्य–तत्व और विभिन्न मूल सिद्धान्त, प्रकृति कार्य, समप्रभूता, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, नागरिकता, राष्ट्रवाद, धर्मनिर्पेक्षता, उपभोक्ता के अधिकार, नारीवाद <u>सरकार के रूप</u> :– लोकतंत्र, तानाशाही, संसदात्मक और अध्यक्षात्मक, एकात्मक संघीय <u>लोकतंत्र</u> :– अवधारणा, विभिन्न प्रकार, लोकतंत्र के विभिन्न सिद्धान्त, पद्धति और प्रतिनिधित्व, लोकतंत्र के लिए संघर्ष विभिन्न आदोंलन, लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियां, असमानता, निर्धनता, आर्थिक प्रगति और विकास , अनपढता , भाषावाद और क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिक्ता और जातिवाद, अलगाववाद, राजनीतिक शोषण, राजनीतिक एकीकरण, लिंग समस्याएं, धर्म समस्याएं

	भारतीय सविधान :– सविधानिक विकास, सविधान की निर्माण प्रकिया, स्त्रोत, विशेषताएं, प्रस्तावना, मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त, संघ कार्यकारी राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रीपरिषद, संघीय विघायिका, मंत्री परिषद की सरंचना, प्रकिया, संध विधायिका सरंचना और कानून निर्माण प्रक्रिया, सविधान संशोधन प्रक्रिया, राज्य विधानसभा, भारतीय न्याय पालिका, सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक पुनः निरीक्षण, जनहित याचिका, सूचना का अधिकार, संघवाद, 73 वां संशोधन पंचायतीराज अधिनियम, चुनाव आयोग, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव सुधार, दलबदल की राजनीति, भारत में पार्टी प्रणाली, राष्ट्रीय और प्रान्तीय सरकार, आरक्षण की राजनीति सयुंक्त राष्ट्र संघ :– अंग और मूल्याकंन, सयुंक्त राष्ट्र संघ की विशेष शाखाएं, सुरक्षा परिषद की भूमिकाएं, सयुंक्त राष्ट्र संघ के सचिव की भूमिका, सयुंक्त राष्ट्र संघ में जनतान्त्रीकरण भारत की विदेश नीति :– मूल सिद्धान्त, भारत और पड़ोसी देश (पाकिस्तान, भूटान, बाग्लादेश, श्रीलंका और चीन), भारत और सयुंक्त राष्ट्र संघ सम्बन्ध, भारत अमेरिका सम्बन्ध, भारत रूस सम्बन्ध, शीत युद्ध का दौर, गुटनिर्पेक्षता और उसका महत्व, दो–ध्रुवीयता का अन्त, नई विश्व व्यवस्था, यूरोपियन यूनियन, दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों का समूह (आसियान), विश्व व्यापार संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, निरस्त्रीकरण, वैश्वीकरण, पर्यावरण। विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।
C	प्राचीन भारतः प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, प्रागैतिहासिक सभ्यताएँ आखेटक–संग्रहक स नव पाषाण क्रान्ति। हडप्पा सभ्यता पुरास्थल एवं प्रमुख विशेषताएँ इत्यादि। धार्मिक प्रवृतियाँ वैदिक, बौद्ध एवं जैन आधारभूत तथ्य एवं तुलना। महाजनपद काल राजनोति एवं अर्थव्यवस्था, मौर्य साम्राज्य प्रशासन एवं नीतियाँ। विदेशी आक्रमण एवं उनका भारतीय संस्कृति में समावेश। उत्तर मौर्य–कालीन राज्य एवं भारत मं राजनैतिक विकास। दक्षिणी राज्य चालुक्य, पल्लव एवं चोल। प्राचोन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य व्यापार एवं मुख्य व्यापारिक मार्ग, शहरीकरण। गुप्त एवं वर्धन–साम्राज्य सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन, अर्थव्यवस्था, प्रशासन इत्यादि। विश्व में भारतीय सस्कृति का प्रसार। कला एवं स्थापत्य प्राचीन काल से उत्तर गुप्त काल तक। मध्यकालीन भारतः मध्यकालीन भारत के स्त्रोत (700 ई0 से 1750 ई0) पूर्व मध्यकाल में शासक एवं राजवंश (700ई0 से 1200ई0) त्रिपक्षीय संघर्ष पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट, राजा दाहिर और अनंगपाल, सुहलदेव एवं पृथ्वीराज चौहान। दिल्ली सल्तनत एवं मुगल प्रशासन एवं नीतियाँ, विजयनगर– साम्राज्य, छत्रपति–शिवाजी एवं मराठा, मध्यकालीन कला एवं स्थापत्य, भाषाएँ एवं साहित्य इत्यादि। सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन (भक्ति, सूफी, सिख गुरू परम्परा, नयनार, अलवार इत्यादि) व्यापार एवं वाणिज्य, कला एवं स्थापत्य, शहरी केन्द्र, मध्यकालीन भारत के दौरान कृषि प्रधान समाज। आधुनिक भारतः आधुनिक भारत के स्रोत, अठारहवीं शताब्दी में भारत, यूरोपियन कंपनी और बंगाल व अन्य भारतोय राज्यों में उनका संघर्ष। भू–राजस्व व्यवस्था में परिवर्तन एवं आरंभिक भारतीय प्रतिरोध। 1857 की क्रान्ति कारण, घटनाएँ,

	स्वरूप एवं परिणाम। अठाहरवीं शताब्दी में भारतीय पुर्नजागरण महिला एवं निम्न जाति–मुक्ति। ब्रिटिश शिक्षा नीति, उपनिवेशीकरण और स्वदेशी वस्त्र उद्योग पर इसका प्रभाव, औद्यौगोकरण का उद्य। औपनिवेशिक काल के दौरान शहरीकरण एवं स्थापत्य। राष्ट्रवाद का उद्य, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (1885–1947), स्वतंत्रता एवं विभाजन में गांधी जी, नेता जी एवं आजाद हिन्द फौज की भूमिका। भारतीय संविधान का निर्माण, भारतीय राष्टोय आंदोलन में हरियाणा की भूमिका। भारतीय स्वतंत्रता के 50 वर्ष। विश्व इतिहासः मानव विकास का इतिहास होमो सेपियंस का उदगम, प्रागैतिहासिक मानव इतिहास, औजार इत्यादि। इस्लाम का उद्य खलीफा, धर्मयुद्ध और कन्फयुशियसवाद, यहुदि और पारसी दर्शन। चंगेज खाँ और मंगोल साम्राज्य। मध्यकाल के दौरान यूरोप में सामंतवाद। यूरोप के सामाजिक व राजनीतिक जीवन मं चर्च को भूमिका। यूरोपियन पुर्नजागरण मध्यकालीन यूरोप में शहरी केन्द्रो का विकास। उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद। विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।
D	कृषि :– भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका, पंचवर्षीय योजनाकाल में कृषि विकास, कृषि–उत्पाद, गैर–कृषि गतिविधियाँ उत्पाद के साधन :– भूमि, श्रम, पूंजी तथा उद्यमी मानव पूंजी, लगान सिंद्धान्त मजदूरी ब्याज एवं लाभ, बेरोजगारी तथा भारत में बेरोजगारी की प्रवृतियाँ निर्धनता :– अवलोकन, प्रकार, माप एवं कारण, अन्तर्राज्यीय विषमताएँ, निर्धनता अनुमान, निर्धनता उन्मूलन हेतु योजनाएँ एंव भविष्य की चुनौतियाँ खाद्य सुरक्षा :– अर्थ, कारण, हरित क्रान्ति, महत्वपूर्ण खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम (योजनाएँ) सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं इसकी सफलता, बफर स्टॉक (सुरक्षित भण्डार), खाद्य सुरक्षा के स्तंभ विकास :– आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक विकास तथा धारणीय विकास की अवधारणाएँ, विकास के मापक, परंपरागता, मानव विकास सूचकांक, मानव गरीबी सूचकांक जीवन की भौतिक गुणवता सूचकांक, भुखमरी सूचकांक, अन्तर्राजीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास तुलना अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक :– आर्थिक क्रियाओं के प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीय संगठित तथा असंगठित क्षेत्र, सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र मुद्रा एवं साख :– मुद्रा का अर्थ, कार्य , मुद्रा के आधुनिक रूप, वाणिज्यिक बैंक एवं उसकी भूमिका, भारतीय रिजर्व बैंक एवं इसके कार्य, साख निर्माण, मुद्रा गुणक औपचारिक एवं अनौपचारिक साख भारतीय अर्थ व्सवस्था एवं वैश्वीकरण :– नई आर्थिक नीति, उदारवाद, नीजिवाद तथा वैश्वीकरण– विशेषताएँ, भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल तथा अनुकूल प्रभाव, विश्व व्यापार संगठ– सरंचना एवं कार्य, वैश्वीकरण के सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलू (प्रभाव) उपभोक्ता अधिकार :– उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम 1986, भारत में उपभोक्ता आंदोलन, उपभोक्त शोषण, उपभोक्ता जिम्मेदारी, उपभोक्ता के अधिकार एवं इसकी सफलताएँ उपयोगिता विश्लेषण :– उपयोगिता विश्लेषण के अर्थ एवं प्रकार, गणनावाचक विश्लेषण, क्रमवाचक विश्लेषण, तटस्थता वक्र विश्लेंषण माँग विश्लेषण :– माँग , अर्थ एवं इसके निर्धारक तत्व, माँग का नियक, माँग की लोच।

	विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।

गणित	
A	संख्या पद्धति, अंक गणित और त्रिकोणमितिः रोमन अंक, पूर्ण संख्याएं, प्राकृत संख्याएं, पूर्णांक, परिमेय और अपरिमेय संख्याएं और वास्तविक संख्याएं, उनके गुणधर्म तथा संख्या रेखा पर निरूपण, प्राकृत संख्याओं का ल0 स0 व0 (LCM), म0स0व0 (HCM), वर्ग और वर्गमूल, धन और धनमूल, घातांक के नियम, अनुपात और समानुपात, प्रतिशत, दशमलव, भिन्न, लाभ और हानि, छूट, काम और समय, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अनुपात, एकात्मक विधि, मात्राओं की तुलना, त्रिकोणमिति का परिचय और ऊँचाई और दूरी ज्ञात करने के लिए इसका अनुप्रयोग।
B	बीजगणित, सांख्यिकी और प्रायिकताः बीजगणितीय पद और सर्व समिकाएं, गुणनखंडन, एक और दो चर में रैखिक समीकरण, रैखिक समीकरण के आलेख, बहुपद, द्विघात समीकरण, समांतर श्रेणी, आँकड़ा प्रबंधन, औसत, पाई आरेख, दंड आरेख, आयत चित्र, बारंबारता बहुभुज, केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, माध्य, माध्यक बहुलक, प्रायिकता, सैद्धांतिक दृष्टिकोण।
C	ज्यामिति, निर्देशांक ज्यामिति और क्षेत्रमितिः यूक्लिड की ज्यामिति, रेखाएं और कोण, सममिति रेखाएँ, त्रिभुज और उसके गुण, त्रिभुज के प्रकार और उसके विभिन्न प्रकार के केंद्र, परिमाप और क्षेत्रफल, त्रिभुजों की सर्वांगसमता और समरूपता, नियमित बहुभुज, चतुर्भुज, वृत्त, वृत्तों से संबंधित क्षेत्रफल, हिरोन का सूत्र, पाइथागोरस प्रमेय, ठोस आकृतियों का चित्रण, बहुभुज का क्षेत्रफल, घन, घनाभ, बेलन, लंब वृत्तीय बेलन, शंकु, लंबवृत्तीय शंकु और गोले का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन, ठोसों के संयोजन का पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन। विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।

<u>संगीत</u>	
A)	परिभाषाः– संगीत की परिभाषा, ध्वनि की परिभाषा, नाद की परिभाषा, श्रुति की परिभाषा, स्वर की परिभाषा, सप्तक की परिभाषा, राग की परिभाषा व राग के नियम, राग की जातियां, थाट की परिभाषा व थाट के नियम, गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत की परिभाषा, उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति, तानपुरा का परिचय, मानव जीवन में संगीत का स्थान, शब्द की जानकारी, सुगम संगीत व सुगम संगीत की विधाओं का ज्ञान, हरियाणवी संस्कृति का ज्ञान, (हरियाणवी लोकगीत), भजन, राष्ट्रीय गान, देशभक्ति गीत, वन्दे मातरम् गीत (राष्ट्रीय गोत का ज्ञान) की परिभाषा। संगीतज्ञ के जीवन परिचयः– तानसेन, सदारंग और अदारंग, पं0 जसराज, किशोरी अमोनकर का जीवन परिचय, संगीत के ग्रंथः संगीत रत्नाकर, नाट्यशास्त्र ग्रन्थ(भरतमुनि), रागों का सैद्धान्तिक ज्ञानः राग भीमप्लासी, वृंदाबनी सारंग, राग खमाज, राग भैरव, यमन, राग दुर्गा, राग भूपाली, राग विलावल, राग हमीर, राग काफी, राग भैरवी का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय।
B)	परिभाषाः– ताल की परिभाषा, लय की परिभाषा, ताल, सम, खाली, विभाग,

	मात्रा, आवर्तन आमद, मोहरा, तिहाई की परिभाषा, अलंकार की परिभाषा, एक ताल, चौताल, रुपक ताल, तीन ताल, दादरा ताल, झप ताल और कहरवा ताल का ज्ञान व पेशकारा धा, तिं,धिं,धा,किट,की, ना,ति, धि,ग,तिर,किट,तू,ना,क,ता आदि बोलो की पहचान, वाद्यों के प्रकार, संगीतज्ञ के जीवन परिचयः– जाकिर हुसैन, अल्ला रखां खां (तबला वादक), वाद्यों की जानकारीः तबले के अंगों का वर्णन (चित्र सहित), तबला व पखावज संगीत वाद्य यंत्रों की संरचना और टयूनिंग का ज्ञान।
C)	परिभाषाः– आरोह–अवरोह, पकड़ की परिभाषा, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी स्वर की परिभाषा, स्थाई–अतंरा, आलाप, तान की परिभाषा, शुद्ध, छायालग और सर्कीण राग की परिभाषा, रजाखानी गत, उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में भाषा, ताल, राग वर्गीकरण, गायन शैलियाँ, वादन शैलियाँ, स्वर में विभिन्नताएं। संगीतज्ञ के जीवन परिचयः– पं0 रविशंकर, अन्नपूर्णा देवी, पं शिव कुमार शर्मा और हरि प्ररसाद चौरसिया, वाद्यों की जानकारीः सितार, सरोद, वायलिन, दिलरुबा/इसराज, बांसुरी, मेडोलिन, गिटार, सांरगी। विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।

गृह विज्ञान	
A)	आहार की अवधारणा, पोषण एवं स्वास्थ्य, आहार के प्रकार एवं कार्य, पाक विधियों का महत्व एवं प्रकार, भोजन के पोषक तत्व, पोषण की मूल संकल्पना, अति पोषण व अल्प–पोषण, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भण्डारण एवं संरक्षण, भोजन एवं व्यक्तिगत स्वच्छता एवं साफ–सफाई, आहार योजना–अवधारणा, महत्व, सिद्धान्त और आहार आयोजन को प्रभावित करने वाले कारक, संतुलित आहार, चिकित्सीय आहार, रसोई में प्रयोग आने वाले माप एवं तोल, संक्रमण एवं गलत जीवन शैली से उत्पन्न बीमारियाँ।
B)	घर, परिवार एवं मूल्य– अवधारणा व महत्व, घर में कमरों के प्रकार, घर में प्रकाश एवं वायु आवागमन का प्रबंध, रसोई घर का डिजाईन एवं ले–आउट, दीवारों की सज्जा, खाने की मेज का प्रबंधन एवं सज्जा, पुष्प सज्जा, फर्नीचर का चुनाव, घर के विभिन्न क्षेत्रों व आयामों में रंगो का चुनाव व उपयोग, हमारा व्यवहार, घर की नियमित दिनचर्या, घर में बीमार व्यक्ति का कमरा, फर्श सज्जा, कचरे का निस्तारण, घर की साफ–सफाई, एक औसत भारतीय गृहस्थी के खर्चे, बजट–अवधारणा, प्रकार एवं लाभ, रोजमर्रा की जिदंगी में प्रबंधन, संसाधनों का प्रबंधन– समय, ऊर्जा व धन–प्रबंधन, कार्य सरलीकरण– परिभाषा एवं विधियाँ, उपभोक्ता शिक्षा आपातकाल परिस्थितियों में सुरक्षा–प्रबंधन, कीटनाशक व घर में प्राथमिक चिकित्सा।
C)	मानव वृद्धि और विकास– अवधारणा, वृद्धि और विकास में अन्तर और समानताएँ, वृद्धि व विकास को प्रभावित करने वाले कारक, वृद्धि व विकास के प्रमुख सिद्धान्त, शैश्वावस्था, बाल्यावस्था और किशोरावस्था– अवधारणा, विशेषताएँ और इस अवस्था के मानक (मील के पत्थर) गृह–विज्ञान की अवधारणा– इसकी उत्पत्ति, विषय/उप–विषय महत्व, प्रासंगिकता, जीविका एवं कार्य सम्भावनाएँ, हमारे वस्त्र, वस्त्रों का चुनाव, रेशे एवं कपड़ा– प्रकार,

	विशेषताएँ; तन्तुओ की विशेषताएँ, तन्तुओं एवं वस्त्रों की देखभाल एवं रख–रखाव। वस्त्र धोने में प्रयुक्त उपकरण, रोजमर्रा देखभाल में प्रयुक्त अभिकर्मक एवं परिसज्जा कमर्क; बुनाई की कला, सिलाई व कढ़ाई में प्रयुक्त मूल टाँके, वस्त्रों की साज–सज्जा, ताना व बाना। विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।

नोटः– एचटीईटी स्तर–II (टीजीटी) के लिए प्रश्नों का कठिनाई स्तर वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के मानक तक होगा।

विषयः– लेवल–II (टीजीटी) के लिए प्रश्न हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 6 से 10वीं के निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे।

स्तर–III

भाग–1 बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के लिए पाठ्यक्रम	
A	विकास की अवधारणा एवं सीखने के साथ इसका संबंध, बच्चों के विकास सिद्धांत, पर्यावरण एवं आनुवांशिकता का प्रभाव। समाजीकरण की प्रक्रियाः बच्चे एवं सामाजिक दुनिया (शिक्षक, अभिभावक, समक लोग)। पियाजे, कोहलबर्ग और वायगात्स्की : निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य। फ्रायड का मनोलैंगिक विकास का सिद्धांत, एरिकसन का मनोसामाजिक विकास सिद्धांत। बाल केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा, बुद्धि, भाषा एवं चिन्त सामाजिक संरचना के रूप में लिंग, लिंग भूमिका, लिंग–विभेद एवं शैक्षिक व्यवह अधिगमकर्ताओं में वैयक्तिक भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय धर्म आदि विविधता आधारित विभिन्नताओं को समझना। अधिगम का आकलन और अधिगम के लिए आकलन में भेद, विद्यालय आधारि आकलन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : परिप्रेक्ष्य एवं अभ्यास। अधिगमकर्ता के तत्परता स्तर के आकलन के लिए कक्षा में आलोचनात्मक चिन्त और अधिगम बढ़ाने के लिए एवं अधिगमकर्ता की उपलब्धि के आकलन के लि उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।
B	समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को समझना : वंचित सहित विविध पृष्ठभूमि वाले अधिगमकर्ताओं का सम्बोधन। सीखने में कठिनाई, क्षति आदि वाले बच्चों की आवश्यकताओं का सम्बोधन प्रतिभावान, रचनात्मक, विशेष रूप से सक्षम अधिगमकर्ताओं को सम्बोधित करना। **अधिगम एवं शिक्षाशास्त्र :** बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, क्यों और कैसे बच्चे विद्यालय प्रदर्शन में सफल प्राप्त करने में "असफल" होते हैं। शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं, बच्चों की सीखने की अभिविधि, ए सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम, अधिगम का सामाजिक संदर्भ। एक समस्या–समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक।